DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

28 February, 2024

राज्यसभा चुनाव

संदर्भ: *हाल ही में उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनाव संपन्न हुए हैं।*

➢ **राज्यसभा का परिचय:**

- भारत की संविधान सभा ने लोगों के सीधे निर्वाचित सदन के पूरक के लिए एक दूसरे सदन की आवश्यकता को पहचाना, जिसे 'राज्य परिषद या राज्यसभा' के रूप में जाना जाता है।
- राज्यसभा की परिकल्पना राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संघीय सदन के रूप में की गई थी, जिसमें चुनाव की एक अलग संरचना और पद्धति थी।

➢ **राज्य सभा की संरचना:**

- संविधान के अनुच्छेद 80 के अनुसार, राज्यसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 250 है, जिसमें राष्ट्रपति द्वारा नामित 12 सदस्य और राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 238 प्रतिनिधि शामिल हैं।
- वर्तमान में, राज्यसभा में 245 सदस्य हैं, जिनमें 233 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं और 12 राष्ट्रपति द्वारा नामित होते हैं।
- नामांकित सदस्य साहित्य, विज्ञान, कला और सामाजिक सेवा में विशेषज्ञता वाले व्यक्ति हैं।

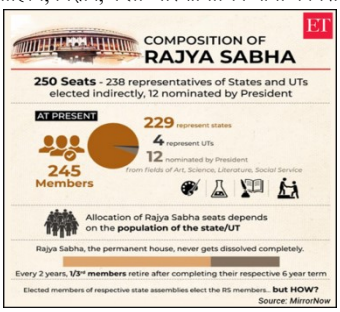

➢ **सीटों का आवंटन:**

- **संविधान की चौथी अनुसूची में; जनसंख्या के आधार पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों** को राज्यसभा में सीटों के आवंटन की रूपरेखा दी गई है।
- वर्ष 1952 के बाद से पुनर्गठन और नए राज्यों के गठन के कारण, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आवंटित सीटों की संख्या बदल दी गई है।

➢ **राज्यों द्वारा प्रतिनिधित्व:**

- इस समय राज्य सभा में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों का क्रमशः 31, 19 और 18 सीटों के साथ महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व है।
- अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा जैसे छोटे राज्यों में एक-एक सीट है।
- इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से तीन और पुडुचेरी से एक प्रतिनिधि हैं।
- बारह सदस्यों को राष्ट्रपति द्वारा नामांकित किया जाता है, जिससे राज्यसभा में विशेषज्ञता की विविधता बढ़ जाती है।

➢ **राज्यसभा के लिए चुनाव प्रक्रिया:**

- **अप्रत्यक्ष चुनाव:** लोकसभा सदस्यों के विपरीत, जो सीधे मतदाताओं द्वारा चुने जाते हैं, राज्यसभा सदस्यों को अप्रत्यक्ष रूप से राज्य की विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों (विधायकों) द्वारा चुना जाता है।
- **जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व:** एक राज्य कितने राज्यसभा सदस्यों को भेज सकता है, यह उसकी जनसंख्या पर निर्भर करता है, जिससे आनुपातिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होता है।
- **एकल हस्तांतरणीय वोट (एसटीवी) प्रणाली के साथ आनुपातिक प्रतिनिधित्व:** विधायक एसटीवी प्रणाली का उपयोग करके राज्यसभा चुनाव में मतदान करते हैं, जहां प्रत्येक विधायक का वोट केवल एक बार गिना जाता है।
- **वरीयता क्रम:** विधायक मतपत्र पर उम्मीदवारों के नाम के आगे संख्या अंकित करके उन्हें वरीयता क्रम प्रदान करते में रखते हैं।
- **पारदर्शिता के उपाय:** जब मतपत्र खुला हो, तो विधायकों को कदाचार रोकने के लिए अपने मतपत्र अपनी पार्टी के अधिकृत एजेंट को दिखाने होंगे। निर्दलीय विधायक अपना मतपत्र किसी को नहीं दिखा सकते।
- **चुनाव मानदंड:** यदि किसी उम्मीदवार को आवश्यक संख्या में प्रथम-वरीयता वोट प्राप्त होते हैं, तो वे निर्वाचित होते हैं। शेष वोट वरीयता के आधार पर अन्य उम्मीदवारों को हस्तांतरित कर दिए जाते हैं।
- **कोटा या वरीयता वोट:** एक उम्मीदवार को जीतने के लिए एक विशिष्ट संख्या में प्रथम-वरीयता वोट प्राप्त करने की आवश्यकता होती है, जिसे कोटा या वरीयता वोट के रूप में जाना जाता है। इस कोटा की गणना का फॉर्मूला राज्य विधानसभा की शक्ति और राज्यसभा सीटों की संख्या पर निर्भर करता है।
- **एकाधिक सीटों के लिए गणना:** यदि एक से अधिक सीटों के लिए चुनाव की आवश्यकता होती है, तो एक उम्मीदवार के लिए आवश्यक कुल वोटों की संख्या का फॉर्मूला तदनुसार समायोजित किया जाता है

ग्रीन क्रेडिट नियम 2023

संदर्भ: *हाल ही में कुछ वन विशेषज्ञों ने अपने शोध में इस बात का उल्लेख किया है, कि नवीनतम जारी किए गए ग्रीन क्रेडिट नियम जंगलों के पारिस्थितिक पहलुओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं, अतः उन्हें "विनाशकारी" और "हानिकारक" दर्जा दिया जा सकता है।*

➢ **पृष्ठभूमि:**

- वर्तमान में कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता को 45% तक कम करने की भारत की प्रतिबद्धता पेरिस समझौते जैसे वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप है।
- सभी राष्ट्रों ने वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है और LiFE अभियान सहित पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं पर जोर दिया है।

➢ **ग्रीन/हरित क्रेडिट(ऋण) कार्यक्रम (GCP) का परिचय:**

- MoEFCC द्वारा अक्टूबर में शुरू की गई हरित क्रेडिट/ऋण कार्यक्रम, पर्यावरण-सकारात्मक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए एक बाजार-आधारित प्रोत्साहन प्रणाली की स्थापना करती है।
- यह व्यक्तियों, संगठनों और उद्योगों को कार्बन उत्सर्जन में कटौती से परे विविध पर्यावरणीय उपाय करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

➢ **हरित क्रेडिट नियम 2023 के उद्देश्य:**

- स्वैच्छिक पर्यावरणीय कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर का ग्रीन क्रेडिट (जीसी) कार्यक्रम शुरू करना।
- ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2022 द्वारा शुरू की गई प्रस्तावित कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना (सीसीटीएस) को लागू करना।
- वर्तमान में मौजूदा कानूनों के तहत दायित्वों को पूरा करने के लिए ग्रीन क्रेडिट खरीदने के लिए उद्योगों को बढ़ावा देना।
- मुख्य उद्देश्यों में पर्यावरणीय रूप से सकारात्मक कार्यों को प्रोत्साहित करना, स्थिरता को बढ़ावा देना और हरित आवरण को बढ़ाना देना शामिल है।

➢ **ग्रीन/हरित क्रेडिट नियम 2023 की रूपरेखा:**

- इस ढांचे का उद्देश्य सभी के लिए सुलभ एवं दीर्घकालिक प्रथाओं में सुधार करना है, जो सत्यापित पर्यावरणीय योगदान से अर्जित ट्रेडिंग क्रेडिट के लिए स्टॉक एक्सचेंज के समरूप है।
- व्यक्ति और व्यवसाय दोनों ही हरित पहल को पंजीकृत करके, स्थिरता के लिए एक बाजार बनाकर भाग ले सकते हैं।

➢ **ग्रीन क्रेडिट के लिए पात्रता मानदंड:**

- यह कार्यक्रम मूल रूप से समावेशी है, जो व्यक्तियों, समुदायों, व्यवसायों और उद्योगों को भागीदारी की अनुमति देता है।
- ग्रीन क्रेडिट के लिए पात्र गतिविधियों में वृक्षारोपण, जल प्रबंधन, टिकाऊ कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन, वायु प्रदूषण में कमी, मैंग्रोव संरक्षण, इको-मार्क लेबलिंग और टिकाऊ भवन आदि शामिल हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

➢ **लाभ और चुनौतियाँ:**

- इस कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक प्रयासों, हरित भविष्य में योगदान के लिए पुरस्कृत किया जाता है।
- इन चुनौतियों में सीसीटीएस के साथ संभावित टकराव और पंजीकरण और सत्यापन मुद्दों का समाधान शामिल है।
- उक्त चुनौतियों को कम करने और समान बाजार भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता अभियान आवश्यक हैं।

➢ **ग्रीन/हरित क्रेडिट कार्यक्रम अवलोकन:**

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने प्रधान मंत्री द्वारा शुरू किए गए 'LiFE' - 'पर्यावरण के लिए जीवन शैली' आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए 2023 में ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (GCP) लॉन्च किया था।
- जीसीपी का लक्ष्य व्यक्तियों, समुदायों, निजी क्षेत्र के उद्योगों और कंपनियों को शामिल करते हुए बाजार-आधारित तंत्र के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में स्वैच्छिक पर्यावरणीय कार्यों को प्रोत्साहित करना है।

S.No.	Sector	Objectives/Activity
1.	Tree Plantation-based GC	Increase of green cover through tree plantation and related efforts.
2.	Water-based GC	Water conservation, harvesting, efficiency, and wastewater treatment and reuse.
3.	Sustainable Agriculture based GC	Natural and regenerative agricultural practices, and land restoration.
4.	Waste Management based GC	Sustainable and improved waste management practices.
5.	Air Pollution Reduction based GC	Reduction of air pollution and other pollution abatement activities.
6.	Mangrove Conservation and Restoration based GC	Conservation and restoration of mangroves.
7.	Ecomark based GC	Encouragement to manufacturers to obtain the Ecomark label for their goods and services.
8.	Sustainable building and infrastructure based GC	Construction of sustainable buildings and infrastructure using eco-friendly technologies and materials.

- **शासन ढांचा:**
  - जीसीपी का शासन एक अंतर-मंत्रालयी संचालन समिति द्वारा समर्थित है।
  - भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) जीसीपी प्रशासक के रूप में कार्य करती है, जो कार्यक्रम कार्यान्वयन, प्रबंधन, निगरानी और संचालन की देखरेख करती है।
- **प्रारंभिक कार्यक्षेत्र:**
  - प्रारंभ में, जीसीपी दो प्रमुख गतिविधियों को प्राथमिकता देती है: जल संरक्षण और वनीकरण।
  - ग्रीन क्रेडिट देने के लिए प्रारूप पद्धति विकसित की गई है और हितधारकों से परामर्श भी किया जाएगा।
- **ग्रीन क्रेडिट रजिस्ट्री और ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म:**
  - ICFRE, विशेषज्ञों के सहयोग से, ग्रीन क्रेडिट रजिस्ट्री और ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म विकसित कर रहा है।
  - यह प्लेटफ़ॉर्म ग्रीन क्रेडिट के पंजीकरण, खरीद और बिक्री की सुविधा प्रदान करेगा, क्रेडिट लेनदेन में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाएगा।

स्ट्रैटोस्फेरिक एयरोसोल व्यवधान (SAI)

***संदर्भ**: यूरोपीय भूविज्ञान संघ के एक हालिया अध्ययन में ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु पद्धति के प्रत्युत्तर में भूमध्य सागर, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में भविष्य में जल भंडारण में बदलाव का अनुमान लगाया गया है।*

➢ **उद्देश्य और विधि:**

- ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के लिए सौर जियोइंजीनियरिंग की एक विधि के रूप में स्ट्रैटोस्फेरिक एरोसोल इंजेक्शन का प्रस्ताव किया गया है।
- इसमें शीतलन प्रभाव उत्पन्न करने के लिए समताप मंडल में एरोसोल को शामिल किया जाता है, जो ज्वालामुखी विस्फोट के बाद देखे गए प्राकृतिक शीतलन प्रभाव के समान है।
- इसका उद्देश्य पृथ्वी की स्वच्छता को बढ़ाना और वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करना है, जिससे अंततः तापमान में कमी आएगी।

➢ **लाभ और महत्त्व:**

- स्ट्रैटोस्फेरिक एरोसोल अन्तःक्षेपण, यदि मध्यम तीव्रता पर लागू किया जाता है, तो यह तापमान और वर्षा में अधिकांश परिवर्तनों का प्रतिकार करने की क्षमता रखता है।
- यह तेजी से प्रभावी हो सकता है, इसकी प्रत्यक्ष कार्यान्वयन लागत अपेक्षाकृत कम है, और इसके प्रत्यक्ष जलवायु प्रभाव प्रतिवर्ती हैं।
- इस विधि को सबसे अधिक शोधित सौर जियोइंजीनियरिंग विधि माना जाता है और विशेषज्ञों के बीच इस बात पर काफी सहमति है कि यह ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस (2.7 डिग्री फारेनहाइट) से नीचे सीमित कर सकती है।

➢ **वैज्ञानिक आधार:**

- समताप मंडल में अन्तःक्षेपण के लिए विभिन्न प्रकार के सल्फर और अन्य सामग्रियों पर विचार किया जा रहा है।
- वैज्ञानिकों द्वारा जलवाष्प के साथ प्रतिक्रिया करने वाले सल्फर यौगिकों से बनने वाले सल्फेट एरोसोल का ज्वालामुखी विस्फोट के बाद उनके शीतलन प्रभावों के लिए अच्छी तरह से अध्ययन किया गया है।
- हालाँकि, समताप मंडल में मौजूदा प्राकृतिक एरोसोल पर सीमित शोध ही उपलब्ध है, जिससे कई चुनौतियाँ के समाधान उपलब्ध महीन हैं।

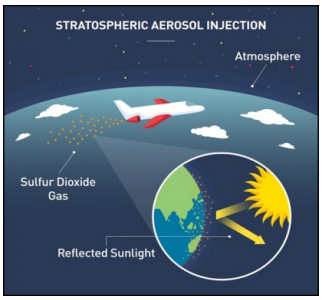

➢ **वितरण विधियाँ:**

- प्रचलित वाहनों को समताप मंडल में एयरोसोल पहुंचाने की अग्रणी विधि के रूप में जाना जाता है।
- अन्य संभावित वितरण विधियों में उच्च ऊंचाई वाले गुब्बारे और संशोधित यंत्र/उपकरण शामिल हैं, हालांकिप्रचलित वाहनों को सबसे व्यवहार्य विकल्प माना जाता है।

➢ **वायुमंडलीय रसायन विज्ञान पर प्रभाव:**

- वायुमंडलीय रसायनों में सल्फर यौगिक प्रतिक्रिया करके सल्फेट एरोसोल बनाते हैं, जो वायुमंडलीय संरचना और गतिशीलता को प्रभावित कर सकता है।
- प्रदूषण नियंत्रण की सहायता से वायुमंडलीय सल्फर उत्सर्जन में कमी के कारण पृथ्वी की सतह तक पहुँचने वाले सूर्य के प्रकाश में परिवर्तन आया है, जो एरोसोल रसायन विज्ञान और जलवायु की परस्पर जुड़ी प्रकृति को उजागर करता है।

➢ **वेल्सबैक सीडिंग (Welsbach Seeding):**

- वेल्सबैक सीडिंग एक पेटेंट जलवायु इंजीनियरिंग विधि है जिसमें ग्रीनहाउस प्रभाव के कारण होने वाली वायुमंडलीय वार्मिंग को कम करने के लिए छोटे धातु ऑक्साइड कणों (जैसे, थोरियम डाइऑक्साइड, एल्यूमीनियम ऑक्साइड) के साथ समताप मंडल को सीड करना शामिल है।
- इसका उद्देश्य निकट-अवरक्त तरंग दैर्ध्य पर विकिरण ऊर्जा को दूर-अवरक्त तरंग दैर्ध्य पर विकिरण में परिवर्तित करना है, जिससे परिवर्तित विकिरण में से कुछ को अंतरिक्ष में भागने की अनुमति मिलती है, जिससे वातावरण ठंडा हो जाता है।
- 1991 में ह्यूजेस एयरक्राफ्ट कंपनी द्वारा पेटेंट कराया गया (यूएस पेटेंट 5003186), इस विधि का उद्देश्य वायुमंडलीय संरचना में हेरफेर करके ग्लोबल वार्मिंग के बारे में चिंताओं को संबोधित करना है
- पेटेंट 7 से 13 किलोमीटर की ऊंचाई पर हवाई जहाज द्वारा की जाने वाली सीडिंग प्रक्रिया का वर्णन करता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

28 February, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

हालभारतीय वैज्ञानिक और चिकित्सक चन्द्रशेखर वेंकट रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज को चिह्नित करने के लिए हर साल 28 फरवरी को भारत में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के बारे में:

- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का उद्देश्य इस बारे में जागरूकता बढ़ाना है कि विज्ञान दैनिक जीवन को कैसे प्रभावित करता है और भारतीय वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को प्रदर्शित करना है।
- 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाने का विचार 1986 में राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद (एनसीएसटीसी) द्वारा प्रस्तावित किया गया था जिसे बाद में भारत सरकार ने स्वीकार कर लिया।
- पहला राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी 1987 को मनाया गया था।
- 2024 राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय **"विकसित भारत के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी"** है।

रमन प्रभाव:

- 1928 में सर सीवी रमन की अभूतपूर्व खोज ने रमन प्रभाव के नाम से जानी जाने वाली घटना का खुलासा किया।
- रमन प्रभाव एक भौतिक घटना है तब घटित होती है जब प्रकाश पदार्थ के साथ संपर्क करता है और तरंग दैर्ध्य बदलता है।
- इसमें गैसों, तरल पदार्थों या ठोस पदार्थों के अणुओं द्वारा प्रकाश का प्रकीर्णन शामिल है।
- यह प्रभाव प्रकाश की तरंग दैर्ध्य में परिवर्तन के कारण होता है जो तब होता है जब प्रकाश किरण अणुओं द्वारा विक्षेपित होती है।
- बिखरे हुए प्रकाश में रमन रेखाएँ मूल तरंग दैर्ध्य पर प्रकाश की तुलना में कमज़ोर होती हैं।
- इस खोज ने न केवल सर सीवी रमन को 1930 में भौतिकी में नोबेल पुरस्कार दिलाया बल्कि विभिन्न वैज्ञानिक विषयों में प्रगति की नींव भी रखी।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) की छठी सभा (UNEA-6) का शुभारंभ केन्या के नैरोबी में हुआ जिसमें जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न हो रहे बढ़ते पर्यावरणीय संकट से निपटने के लिए बहुपक्षीय कार्रवाई का आह्वान किया गया।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा के बारे में:

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) की शासी निकाय को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (UNEA) कहा जाता है जो संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर पर्यावरणीय मामलों पर सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है।
- इसकी स्थापना 2012 में हुई थी और यह हर दो साल में एक बार द्विवार्षिक रूप से आयोजित की जाती है।
- इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण नीतियों के लिए प्राथमिकताएं स्थापित करना और वैश्विक पर्यावरण कानून विकसित करना है।
- यह पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी, समावेशी और टिकाऊ बहुपक्षीय कार्रवाइयों के महत्व पर बल देता है।
- UNEA-6 का विषय "जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि और प्रदूषण से निपटने के लिए प्रभावी, समावेशी और टिकाऊ बहुपक्षीय कार्रवाई" है।
- इसमें 193 सदस्य राज्य शामिल हैं, जो संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- UNEA-6 के लिए 182 संयुक्त राष्ट्र सदस्य राज्यों के 7,000 से अधिक प्रतिनिधि और 170 से अधिक मंत्री नामांकित हुए।

मदुरै मीनाक्षी अम्मन मंदिर

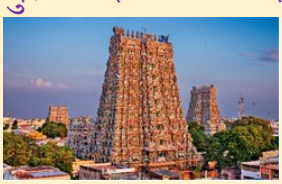

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने मदुरै मीनाक्षी अम्मन मंदिर में पूजा-अर्चना की।

मदुरै मीनाक्षी अम्मन मंदिर के बारे में:

- मदुरै मीनाक्षी अम्मन मंदिर मदुरै, तमिलनाडु में वैगई नदी के दक्षिणी तट पर एक ऐतिहासिक हिंदू मंदिर है।
- यह मंदिर भगवान शिव की पत्नी देवी मीनाक्षी को समर्पित है।
- यह मंदिर द्रविड़ वास्तुकला का एक उदाहरण है।
- मंदिर का निर्माण राजा कुलसेकरा पांडियन द्वारा किया गया था जिन्हें एक सपने में भगवान शिव की शिक्षाओं द्वारा निर्देशित किया गया था।

सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व

हाल ही में, ओडिशा राज्य सरकार ने सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व (एसटीआर) में इनब्रीडिंग के कारण मेलानिस्टिक बाघों की महत्वपूर्ण संख्या पर चिंता व्यक्त की है और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) से आनुवंशिक विविधीकरण के लिए अन्य क्षेत्रों से मादा बाघों को लाने का अनुरोध किया है।

सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व के बारे में:

- सिमिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान ओडिशा के मयूरभंज जिले में एक बाघ अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान है।
- यह रिज़र्व दुनिया में सबसे अधिक मेलेनिस्टिक या काले बाघों का आवास है जो बढ़े हुए रंगद्रव्य के स्तर के कारण अपनी असाधारण काली त्वचा के लिए जाने जाते हैं।
- वर्ष 1956 में इसे 'टाइगर रिजर्व' घोषित किया गया और 1973 में इसे **'प्रोजेक्ट टाइगर'** के अंतर्गत लाया गया।
- **वनस्पति:** सिमिलिपाल में 1078 पौधों की प्रजातियाँ हैं, जिनमें 94 प्रकार के ऑर्किड शामिल हैं, जिनमें साल के पेड़ सबसे आम हैं।
- **जीव-जंतु:** रिजर्व में तेंदुए, गौर, हाथी, लंगूर, हिरण, भालू आदि हैं।

मेलानिस्टिक टाइगर्स:

- मेलानिस्टिक बाघों को काले बाघ के रूप में भी जाना जाता है यह गहरे काले या लगभग काले रंग का होता है जिस पर फीकी या लगभग अदृश्य धारियाँ होती हैं।
- उनकी धारियाँ अभी भी दिखाई देती हैं यद्यपि सामान्य बाघ की तुलना में अधिक गहरी।
- उनमें एक आनुवंशिक स्थिति होती है जिसे मेलानिज्म के नाम से जाना जाता है जहां त्वचा और फर में गहरे रंग का मेलेनिन अत्यधिक विकसित हो जाता है।
- भारत में मेलेनिस्टिक बाघों की सबसे बड़ी आबादी सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान में पाई जाती है

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

पेरू

हाल ही में, अल नीनो मौसम पैटर्न के कारण सामान्य से अधिक तापमान के समय होने वाले डेंगू के मामलों की बढ़ती संख्या के कारण पेरू ने अपने अधिकांश प्रांतों में स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया है।

पेरू (राजधानी: लीमा)

अवस्थिति : पेरू, जिसे आधिकारिक तौर पर पेरू गणराज्य के रूप में जाना जाता है, दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट पर स्थित एक देश है।

राजनीतिक सीमाएँ: पेरू अपनी सीमा इक्वाडोर और कोलंबिया (उत्तर), ब्राज़ील (पूर्व), बोलीविया (दक्षिण पूर्व), चिली (दक्षिण) और प्रशांत महासागर (दक्षिण और पश्चिम) के साथ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएं:

- पेरू का सबसे ऊँचा स्थान **हुआस्करन** है जो देश का सबसे ऊँचा शिखर भी है।
- पेरू और बोलीविया के बीच स्थित टिटिकाका झील दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी झील है।
- पेरू में खनन (तांबा, सोना, जस्ता), कृषि (क्विनोआ, एवोकैडो, कॉफी) और विनिर्माण सहित प्रमुख क्षेत्रों के साथ एक विविध अर्थव्यवस्था है।
- पेरू की प्रमुख नदियों में अमेज़न, उकायाली, मारानोन, माद्रे डी डिओस, हुआलागा और मंटारो शामिल हैं जिनमें से प्रत्येक देश के विविध पारिस्थितिक तंत्र और जल विज्ञान में योगदान देती है।

POINTS TO PONDER

- 'धर्म गार्जियन' अभ्यास किन दो देशों के बीच आयोजित किया जाता है? - **भारत और जापान**
- अट्टुकल पोंगाला त्यौहार किस राज्य में मनाया जाता है? - **केरल**
- बिहार राज्य सरकार ने स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए किस बैंक के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए? - **सिडबी**
- सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (SECI) ने किस राज्य में भारत की सबसे बड़ी बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली शुरू की है? - **छत्तीसगढ़**
- हाल ही में किस राज्य ने पश्चिमी घाट में पर्पल फ्रॉग को बचाने के लिए एक विशेष कोष की स्थापना की? - **तमिलनाडु**